THEORY OF MOTIVATED FORGETTING

अभिप्रेरित विस्मरण का सिद्धांत

कई ~~मनोवैज्ञानिक~~ मनोवैज्ञानिकों द्वारा zeigarnik effect की सत्यता की जाँच की गयी और पाया कि zeigarnik effect द्वारा विस्मरण की जो व्याख्या होती है वह फ्रायड के दमन सिद्धांत द्वारा होने वाली व्याख्या से असंगत है।

दरसल अधूरे कार्य से विशेषकर वैसे अधूरे कार्य से जिसे व्यक्ति अपनी महत्वपूर्ण असफलता मानता है, व्यक्ति में दुःखद भाव (unpleasant feeling) उत्पन्न होता है जिसे Freud के अनुसार दमित हो जाना चाहिए था और फलस्वरूप ऐसे कार्यों का विस्मरण (forgetting) अधिक होना चाहिए था परन्तु zeigarnik के अनुसार व्यक्ति अधूरे कार्यों का ही recall अधिक करता है।

बाद में किये गये शोध एवं प्रयोगात्मक अध्ययनों के आधार पर इस तरह की असंगति विरोध दूर हो गयी क्योंकि इन अध्ययनों से यह स्पष्ट हो गया कि zeigarnik effect जैसे असंवेगात्मक परिस्थिति में ही नहीं देखा गया। दूसरे

शब्दों में, zeigarnik effect फिर वैसी ही परिस्थिति में होता देखा गया जो सामान्य होती है तथा जिसमें कार्य का पूरा होना या अधूरा रह जाना व्यक्ति के लिए कोई महत्व नहीं रखता है। परन्तु यदि परिस्थिति ऐसी होती है कि कार्य अधूरा रहने पर व्यक्ति के अहम (ego) पर काफी आघात पहुँच सकती है या उसके स्वाभिमान (self-esteem) पर करारी चोट पहुँच सकती है, तो वैसी परिस्थिति में zeigarnik effect उलट जाता है अर्थात व्यक्ति पूरा किये गये कार्यों का ही recall अधिक करता है और अधूरे कार्यों का recall कम करता है। इस तरह से स्पष्ट है कि अधूरे कार्यों से उत्पन्न दुःखद अनुभव का प्रभाव recall को कम कर देना होता अर्थात विस्मरण को बढ़ा देना होता है

Kumari
Sunita
31/07/2020